यूटीयू में एआई रिसर्च हब, आईओटी व रोबोटिक्स लैब का राज्यपाल ने किया लोकार्पण

प्रमुख संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू), सुद्धोवाला परिसर में बुधवार को एक तकनीकी युग का नया अध्याय जुड़ा। राज्यपाल व विश्वविद्यालय के कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल (से.नि.) गुरमीत सिंह ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रिसर्च हब, आईओटी एवं रोबोटिक्स लैब का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर 'उत्कर्ष 1. 0,हैकाथॉन' का भी आयोजन हुआ, जिसमें प्रदेश के 25 तकनीकी संस्थानों के विद्यार्थियों ने अपने नवाचारी प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए।

राज्यपाल ने छात्रों की ओर से विक. सित चौटबॉट, डैशबोर्ड और मोबाइल ऐप्स का अवलोकन किया और नवाचार की दिशा में किए गए प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति ही भारत को आत्मनिर्भर और तकनीकी रूप से सशक्त राष्ट्र बनाने की आधारशिला है। उन्होंने इस

अवसर पर छात्रों के समक्ष 'डीप शिवा' नामक उन्नत चौटबॉट तैयार करने की चुनौती भी रखी, जो मौजूदा चौटबॉट डीप सीक से 108 गुना बेहतर होगा। हैकाथॉन में कुल 1100 से अधिक छात्रों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 216 टीमों ने भाग लिया। पहले चरण के बाद 71 टीमों को फाइनल राउंड में प्रवेश मिला। सभी विजेताओं को राज्यपाल ने सम्मानित किया गया।

'डीप शिवा' के लिए तीन पुरस्कार घोषित

राज्यपाल ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए तीन पुरस्कारों की घोषणा की

प्रथम पुरस्कार, 5 लाख, द्वितीय 3 लाख, तृतीय 2 लाख। यह परियोजना 31 दिसंबर, 2025 तक पूरी करनी होगी। इसके लिए राज्यपाल ने कुल. पति को आवश्यक दिशा-निर्देशों के तहत प्रतियोगिता आयोजित करने के निर्देश दिए। वहीं, महिला प्रौद्योगिकी संस्थान की बीटेक छात्रा प्रिंसी रस्तोगी को उनके प्रभावशाली प्रेजेंटेशन और तकनीकी समझ के लिए राज्यपाल ने 10,001 की प्रोत्साहन राशि सौंपी।

'उत्कर्ष 1.0' हैकाथॉन में 25 संस्थानों के छात्रों ने दिखाया नवाचार, 'डीप शिवा' चौटबॉट निर्माण की दी गई चुनौती

विजेता टीमों की सूची

चौटबॉट श्रेणी में: जेबीआई कॉलेज, देहरादून को प्रथम, जीबीपीआईईटी, पौड़ी

द्वितीय व शिवालिक इंजीनियरिंग कॉलेज, देहरादून को तृतीय स्थान मिला। वहीं, डैशबोर्ड श्रेणी में: आईटी गोपेश्वर को प्रथम, तुलाज इंस्टीट्यूट, देहरादून को द्वितीय व तृतीय स्थान मिला।

मोबाइल ऐप श्रेणी में, फैकल्टी ऑफ टेक्नोलॉजी, यूटीयू को प्रथम,रुड़की कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग को द्वितीय व बीआईएएस, भीमताल को तृतीय स्थान मिला। राज्यपाल ने चौटबॉट, डैशबोर्ड और मोबाइल ऐप श्रेणियों में विजेता टीमों को क्रमशः 50,000, 30,000 और 20,000 की धनराशि देने की घोषणा की।

वैश्विक अर्थव्यवस्था का आधार बनेगी एआई: उनियाल

तकनीकी शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आने वाले समय में वैश्विक अर्थव्यवस्था का आधार बनेगी। उन्होंने इसे जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों में भी कारगर बताया। वहीं, कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने विश्व. विद्यालय की ओर से किए गए डिजिटल नवाचारों, जैसे यूनिवर्सिटी कनेक्ट, यूनिसंगम, एआई अवतार व राजभवन के लिए विकसित क्यूआर आधारित इन्वेंट्री सिस्टम की जानक. ारी दी। इस अवसर पर सनफॉक्स टेक्नोलॉजी के संस्थापक इंजीनियर रजत जैन और दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति प्रो. पी.बी. शर्मा ने एआईकी संभावनाओं पर अपने विचार रखे।